



Bienenweide Pflanzen

Königin

Biene

Drohne

weibliche Biene
mit Eierstöcken

weibliche Biene
ohne Eierstöcke

männliche Biene



20 mm
1 Pro Volk

14 mm
40000 Pro Volk

18 mm
3000 Pro Volk

| Gartenblumen | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------------------|--|------|---|---|---|-------|---|---|---|-----|---|---|---|------|---|---|---|------|---|---|---|--------|---|---|---|-----------|---|---|---|--------|---|---|---|-----------|
| Trachtmonat/Blühzeitraum | | März | | | | April | | | | Mai | | | | Juni | | | | Juli | | | | August | | | | September | | | | Gesamt | | | | |
| Pflanze / Trachtart | | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | Bewertung |
| Gazanie | | | | | | | | | | | | | | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | ** |
| Thymian | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | *** |
| Borretsch | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | | | **** |
| Echter Lavendel | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | | | *** |
| Herbst Sonnenbraut | | | | | | | | | | | | | | | | | | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | **** |
| Sonnenhut /Echinacea | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | ** |
| Sonnenhut /Rudbeckia | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | ** |
| Becherpflanze /Silphium | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | *** |
| Sonnenauge | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | *** |
| Clandon Bartblume | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | **** |
| Jungfernrebe/Wilder Wein | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | | | *** |
| Krokus | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| Erika | | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **** |
| Rosmarin | | | | | | | | | | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | | | | | | | | | | | | | *** |
| Fetthenne | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | *** |
| Glockenblume | | | | | | | | | | | | | | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | | | ** |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| Wildblumen | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------------------|---|------|---|---|---|-------|---|---|---|-----|---|---|---|------|---|---|---|------|---|---|---|--------|---|---|---|-----------|---|---|---|--------|---|---|-----------|--|--|--|------|
| Trachtmonat/Blühzeitraum | | März | | | | April | | | | Mai | | | | Juni | | | | Juli | | | | August | | | | September | | | | Gesamt | | | | | | | |
| Pflanze / Trachtart | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | Bewertung | | | | |
| Hufplattich | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ** |
| Erika | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | 2 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **** |
| Sumpfdotterblume | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| Löwenzahn | | | | | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **** |
| Wiesenknöterich | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | | | | | | | | | *** |
| Flockenblume | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | *** |
| Blaue Himmelsleiter | | | | | | | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| Weidenröschen | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | | | | | | | | | *** |
| Kornblume | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | *** |
| Blutweiderich | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | | | *** |
| Honigklee/Steinklee | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | | | | | | | **** |
| Reseda | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | | | | | ** |
| Wegwarte | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | *** |
| Karde | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | *** |
| Kohldistel | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | *** |
| Wilder Majoran | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | | | | | *** |
| Besenheide | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | *** |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| Weiden | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--------------------------|---|------|---|---|---|-------|---|---|---|-----|---|---|---|------|---|---|---|------|---|---|---|--------|---|---|---|-----------|---|---|-----------|--------|
| Trachtmonat/Blühzeitraum | | März | | | | April | | | | Mai | | | | Juni | | | | Juli | | | | August | | | | September | | | | Gesamt |
| Pflanze / Trachtart | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | Bewertung | |
| Aschweide | | | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ** |
| Korbweide | | | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ** |
| Küblerweide | | | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **** |
| Reifweide | | | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **** |
| Ohrweide | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| Purpurweide | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| Salweide /Kätzlibaum | | | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **** |
| Bruchweide | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| Schwarzweide | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| Silberweide | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | *** |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

Landwirtschaftliche Kulturen

| Trachtmonat/Blühzeitraum | | März | | | | April | | | | Mai | | | | Juni | | | | Juli | | | | August | | | | September | | | | Gesamt |
|--------------------------|---|------|---|----|---|-------|---|---|---|-----|---|---|---|------|---|---|---|------|---|---|---|--------|---|---|---|-----------|-----------|------|--|--------|
| Pflanze / Trachtart | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | P | N | Bewertung | | | |
| Stachelbeere | | | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ** | | | |
| Kirsche | | | | | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | **** | | | |
| Zwetschge | | | | | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | ** | | | |
| Pflaume | | | | | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | ** | | | |
| Pfirsich | | | | | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | ** | | | |
| Apfel | | | | | | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | | | | | | | | | | | | | | | **** | | | |
| Birne | | | | | | 3 | 2 | 3 | 2 | 3 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | ** | | | |
| Blutjohannisbeere | | | | | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | | ** | | | |
| Heidelbeere | | | | | | 1 | 3 | 1 | 3 | 1 | 3 | 0 | 3 | | | | | | | | | | | | | | ** | | | |
| Brombeere | | | | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | | | | | *** | | | |
| Himbeere | | | | | | | | | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | | | | | | | | | **** | | | |
| Weissklee | | | | | | | | | | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | **** | | |
| Rotklee | | | | | | | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | *** | | | |
| Phacelia | | | | | | | | | | | | | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | 3 | 4 | **** | | | |
| Sonnenblume | | | | | | | | | | | | | | | | | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | *** | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | </ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

Unsere einheimischen Heckenpflanzen

Eine Hecke hat dann einen hohen ökologischen Wert, wenn sie aus einheimischen Pflanzen besteht, denn nur sie dienen unseren Wildtieren als Nahrung.

Die folgende Liste stellt Ihnen eine grosse Anzahl solcher Heckenpflanzen vor.

Kleine Sträucher, Kletterpflanzen



Heckenrose

Rosa canina

essbar, Bienenweide, wichtige Vogelna-
hrung, gibt zahlreiche Unterarten



3
m, s



Wald/Windendes Geissblatt

Lonicera periclymenum

ungeniessbar, Klimmstrauch, Beeren nicht
verwachsen



5
m, l



Rote Heckenkirsche

Lonicera xylosteum

giftig, Holz sieht dürr aus, nektarreiche Blü-
ten, Beeren paarweise verwachsen, in den
Bergen: Beeren schwarz



3
m, s



Efeu

Hedera helix

giftig, immergrün, Äste und Zweige mit
Haftwurzeln (nicht schmarotzend), Blätter
an Blüentrieben ungelappt, gute Insekten-
nahrung, Beeren als Vogelfutter, Nistgehölz



20
m, l



Schwarzdorn

Prunus spinosa

essbar nach Frost, Raupennahrung, nektar-
reiche Blüten, Brutgehölz, blüht vor
Blattaustrieb



3
m, l



Wilder Hopfen

Humulus lupulus

Stengel rau, untere
Blätter 3-5 lappig,
obere ungeteilt, 2-häu-
sige Pflanze, ausdauer-
nder Wurzelstock
mit 1-jährigen Trieben,
gute Insektennahrung



6
m, s

Mittelgrosse Sträucher



Kreuzdorn

Rhamnus cathartica

giftig, Nistgehölz, nektarreiche Blüten,
Vogelnaehrung



4
m, l



Weissdorn

Crataegus laevigata/monogyna

essbar, Brutgehölz, Insekten- und Vogel-
naehrung, Blattaustrieb vor Blüte, Feuer-
brand!



4
m, l

Mittelgrosse Sträucher



Gemeiner Schneeball
Viburnum opulus
ungeniessbar, Vogelnahrung, nektarreiche Blüten



5
m, s



Schwarzer Holunder
Sambucus nigra
essbar, pollenreiche Blüten, Vogelnahrung



7
m, s



Wolliger Schneeball
Viburnum lantana
ungeniessbar, Vogelnahrung, nektarreiche Blüten



4
m, s



Pfaffenhütchen
Euonymus europaeus
giftig, nektarreiche Blüten, starker Stockausschlag, älteres Holz grün, vierkantig



6
m, l



Roter Hartriegel
Cornus sanguinea
ungeniessbar, Vogelnahrung, Äste oben rot, unten grün



4
m, l



Liguster
Ligustrum vulgare
giftig, Insektennahrung, gute Deckung



5
m, s



Kornelkirsche/Tierlibaum
Cornus mas
essbar, gelbe Blüten, Vogelnahrung, Wildfutter, grosses Ausschlagvermögen, wertvolles Holz



7
m, l



Hasel
Corylus avellana
essbar, Bienenweide, verdrängt andere Sträucher



6
m, s



Roter/Trauben-Holunder
Sambucus racemosa
Saft geniessbar, Kerne giftig, Vogelnahrung, pollenreiche Blüten



4
m, s



Faulbaum
Rhamnus frangula
giftig, Raupennahrung, starker Stockausschlag, Holz unangenehm riechend („Pulverholz“), fein weiss getüpfelt



4
m, s

Mittelgrosse Sträucher



19

Mispel

Mespilus germanica

essbar, Bienenweide, Brutgehölz, Wildfütter



6
m, l

Grosssträucher, Bäume



20

Wildapfel

Pyrus malus

essbar, Wildfütter, oft dornige Zweige, Feuerbrand!



10
m, l



24

Vogelbeere/Eberesche

Sorbus aucuparia

gekocht essbar, Bienenweide, Vogelnaehrung, Feuerbrand!



15
m, s



21

Speierling

Sorbus domestica

wenn teigig essbar, verfeinert Apelsaft, Bienenweide, Vogelnaehrung, Wildfütter, gesuchtes Nutzholz, selten, Feuerbrand!



20
m, l



25

Traubenkirsche

Prunus padus

essbar, Bienenweide, Vogelnaehrung, am Blattstiel zwei Drüsen, starker Stockausschlag



10
m, s

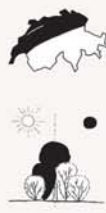


22

Elsbeere

Sorbus torminalis

geniessbar, gesuchtes Nutzholz, Feuerbrand!



20
m, l



26

Vogelkirsche

Prunus avium

essbar, am Blattstiel zwei Drüsen, starker Stockausschlag, Vogelschutzgehölz



25
m, s



23

Mehlbeere

Sorbus aria

nach Frost essbar, Blattunterseite weissfilzig, Bienenweide, Vogelnaehrung, Feuerbrand!



15
m, l



27

Wildbirne

Pyrus communis

essbar, Wildfütter, Feuerbrand!



20
m, l

Grosssträucher, Bäume



Salweide
Salix caprea
Bienenweide,
wichtige Insekten-
nahrung

28



9
m, s



Eichen
Quercus robur oder petraea
sehr gutes Nutzholz, Lebensraum vieler
Kleinstlebewesen



35
m, l



Hagebuche/Hainbuche
Carpinus betulus
Nistgehölz, grosses Ausschlagvermögen

29



20
m, l



Grauerle
Alnus incana
Vogelnahrung, starker Stockausschlag

32

33



20
m, s



Feldhorn
Acer campestre
Bienenweide, starker Stockausschlag

30



15
m, l



Esche
Fraxinus excelsior
starker Stockaus-
schlag, Brennholz

34



30
m, s



Verbreitungsgebiet in der Schweiz

sonnig schattig



Lichtbedürfnis:
Sonnen- und/oder Schattenseite

15
m, l

15 m: Wuchshöhe
l : langsamer Wuchs
(oder s : schneller Wuchs)

Impressum:

Unter „Landwirtschaftliche Forschung und Beratung“ werden in Zusammenarbeit mit Forschungs-, Beratungs- und Fachinstitutionen in loser Reihenfolge Merkblätter publiziert.

Herausgeber:

AGRIDEA, CH-8315 Lindau
www.agridea.ch

Autoren:

Kuchen S., Schiess-Bühler C.,
AGRIDEA

Redaktion, Gestaltung:

Kuchen S., AGRIDEA, Strickler R.

Literatur:

Broschüren des Forschungs-
institut für biologischen Landbau
und des Schweizer Vogelschutz;
Amann G.: Bäume und Sträucher
des Waldes; Neumann - Neudamm
Verlag 1988

Bildnachweis:

AGRIDEA (2, 4, 6, 8, 9, 15, 17,
18, 24); Agroscope Changins-
Wädenswil, ACW (1, 13, 14);

Krebs A., Agasul (5); Lauber K.,
Liebefeld (7, 12, 19, 22, 23, 26,
28, 29, 33, 34); Professur für
Forstschutz und Dendrologie,
Dep. für Wald- und Holzfor-
schung, ETH Zürich (27, 32);
Steiger P., Basel (20); Storrer
A., Birmensdorf (21); Schweizer
Vogelschutz, Zürich (3, 10, 11,
16, 25, 30); Ziegler G., Balgach
(31)

Graphiken:

Geändert nach Welter M., Sutter
R.: Verbreitungsatlas der Farn-

und Blütenpflanzen der Schweiz,
Birkhäuserverlag 1982; Wyler P.,
oekogreen

Hinweis:

Weitere Auskünfte erteilen kan-
tonale Beratungsdienste.

Druck:

Mattenbach AG, Winterthur
5. Auflage 2008

DER GARTEN ALS BIENENWEIDE

Bienen, Hummeln und andere Insekten sind durch ihre Tätigkeit verantwortlich für schöne Beeren, knackige Früchte und gesundes Gemüse. Sie bestäuben unzählige Nutzpflanzen, sorgen damit für Gartenertrag und sie tragen zum Erhalt der Pflanzenvielfalt bei. Ein vielfältiger Garten bietet Lebensraum für Bienen, Hummeln und andere Pflanzenbestäuber und macht den Garten erst noch ökologisch wertvoll. Doch die fleissigen Insekten sind in Gefahr. Mehr und mehr melden Bienehalter Verluste von Bienenvölkern. Insbesondere Krankheiten und Parasiten setzen den nützlichen Tieren zu. Die genauen Gründe dieses fast weltweit verbreiteten Phänomens sind bislang nicht bekannt. Vermutet wird ein Zusammenwirken verschiedenster Ursachen. Nebst Krankheiten, Parasiten und dem Einsatz von Pestiziden kommt auch die Verschlechterung der Nahrungsgrundlagen in Frage.

Die Herbst-Sonnenbraut gilt als eine sehr gute Bienenpflanze...



Gefährdet sind indes ebenso einzeln lebende Solitärbiene und Hummeln. Von diesen Wildbienen leben 500 bis 600 unterschiedliche Arten in der Schweiz. Rund 40 Prozent der einheimischen Wildbienen sind vom Aussterben bedroht. Der wohl wichtigste Grund für diese Entwicklung ist der von Jahr zu Jahr schwindende, natürliche Lebensraum für Wildbienen. Es mangelt an Futterpflanzen und Nistplätzen. Zahlreiche Wildbienenarten sind auch Opfer eines übermässigen Ordnungssinn. Laub, Altholz, Steinhaufen und Stängel werden aus den Gärten verbannt.



Bienen und andere Insekten sind von grosser Bedeutung und mitverantwortlich für den Gartenertrag.

... dies gilt ebenso für Sonnenblumen.



Die Bedeutung der Bienen

Dabei sind diese Insekten von grosser Bedeutung. Bienen und Hummeln leisten den Menschen nachhaltig gute Dienste. Deshalb ist die Bienenhaltung, aber ebenso der Erhalt der einheimischen Wildbienenarten auch so wichtig. Wildbienen und Hummeln ergänzen die Honigbienen in ihrer Bestäubungstätigkeit.

Für die Bienen sind der Pollen und der Nektar der Pflanzen von Bedeutung. Der Pollen liefert ihnen Eiweisse, Fette, Mineralstoffe und Kohlenhydrate und Vitamine. Der Nektar wird in Honig umgewandelt und ist die Hauptquelle für die Nahrungsaufnahme der Biene und ihr Energielieferant.

Die Mehrzahl der Blüten wiederum brauchen Bienen und Insekten, um Samen auszubilden. Die Blüten sind in Form und Farbe auf den Insektenbesuch ausgerichtet. Dabei gilt es zu beachten, dass vorab einfach blühende Sorten mit sichtbaren Staubblättern und Stempeln für die Bestäubung durch die Bienen geeignet sind. Bei ihrer Sammeltätigkeit bleiben die Bienen einer Blütenart treu, bis die Quelle ausgeschöpft ist. So garantieren sie die Bestäubung einer Art, da ja jede Pflanze zur Bestäubung die Pollen der eigenen Art braucht.

Ausreichendes Angebot wichtig

Bienen und Wildbienen benötigen das ganze Gartenjahr über ein ausreichendes Angebot an blühenden Pflanzen. Diese sogenannte Bienenweide sollte keine Lücken auf-

Gartenpflanzen im Vergleich

| Pflanzen | Blüte | Wert als Bienenweide |
|---------------------------|-------------------------|----------------------|
| Christrose | März – April | mittel |
| Märzenglöckchen | März – April | mittel |
| Winterling | März – April | mittel |
| Krokus | März – April | gut |
| Erika | März – April | sehr gut |
| Stiefmütterchen | März – Juni | gering |
| Blaukissen | April – Mai | mittel |
| Narzisse | April – Mai | gering |
| Alyssum | April – Juni | gut |
| Traubenhyazinthe | April – Mai | mittel |
| Bergenie | April – Juni | mittel |
| Purpurglöckchen | Mai – Juli | gering |
| Pelargonien/Geranien | Mai – Oktober | gering |
| Strauchrose | Mai – September | mittel |
| Fuchsia | Mai – Oktober | gering |
| Jungfer im Grünen/Nigella | Juni – Juli | gut |
| Gurke | Juni – August | gut |
| Mauerpfeffer | Juni – August | gut |
| Zinnie | Juni – September | gering |
| Fetthenne | Juni – September | gut |
| Glockenblume | Juni – September | mittel |
| Begonie | Juni – Oktober | gering |
| Gazanie | Juni – Oktober | mittel |
| Tagetes | Juni – Oktober | gering |
| Thymian | Juni – Oktober | gut |
| Borretsch | Juni – September | sehr gut |
| Kürbis | Juni – September | gering |

Wie die Tabelle zeigt, liefern viele beliebte Gartenblumen wie Stiefmütterchen, Narzissen, Geranien, Fuchsien, Zinnien, Begonien und Tagetes wenig Bienenahrung.

weisen. Denn Bienen sind in der Lage, sich gute Standorte zu merken und kehren dorthin zurück. Versiegt die Nahrung zeitweilig, wirkt sich das negativ auf die Entwicklung der Bienenvölker aus. Besonders im Spätsommer und Herbst ist ein gutes Nahrungsangebot wichtig weil dann die langlebigen Winterbienen entstehen. Je stärker ein Volk in den Winter geht, desto stärker beginnt es die Arbeit im Frühling. Für ein ausreichendes Nahrungsangebot kann jeder Gartenbesitzer durch eine gezielte Auswahl an Gartenpflanzen sorgen.

Gemüse- und Beerengarten

Ein reiner Gemüsegarten eignet sich nur beschränkt als Bienenweide, da viele Gemüsearten wie Rüebli, Fenchel, Randen und Salate vor der Blüte geerntet werden. Gemüsepflanzen, die blühen, wie Erbsen, Bohnen, Kartoffeln, Tomaten, Zucchini und Gurken gelten als mittel bis gute Bienenweide. Noch besser ist es, wenn auch einmal ein Fenchel stehen gelassen wird, bis er blüht. Ein abgeerntetes Beet im Garten sollte indes nie längere Zeit leer stehen. Brachflächen und Zwischenräume bei Gemüsebeeten können mit einer Gründüngung angesät werden.

| | | |
|---------------------------|-----------------------|-----------------|
| Lilie | Juni – September | gut |
| Ringelblumen | Juni – September | gut |
| Kugeldistel | Juli – Oktober | gut |
| Echter Lavendel | Juli – Oktober | gut |
| Stockmalve | Juli – Oktober | mittel |
| Bohnenkraut | Juli – Oktober | gering |
| Dahlie | Juli – Oktober | mittel |
| Sonnenblume | Juli – Oktober | gut |
| Herbst-Sonnenbraut | Juli – Oktober | sehr gut |
| Kapuzinerkresse | Juli – Oktober | mittel |
| Sonnenhut | Juli – Oktober | mittel |
| Bartblume | Juli – Oktober | sehr gut |
| Raublattaster | August – Oktober | gut |

Phacelia, Buchweizen oder ausdauernde Gründüngung mit Kleearten sind für Bienen und Hummeln besonders wertvoll. Zudem wird damit ebenso der Boden verbessert. Zusätzlich verstärkt werden die Nahrungsquellen durch mehrjährige Kräuter wie Thymian, Lavendel oder Melisse, welche man blühen lässt oder ausdauernde Staudenbeete. Gerade solche Flächen die nur minimal bearbeitet werden sind für Bienen und Hummeln von grosser Bedeutung. Dort finden sie Ruhe und werden nicht ständig gestört. Insbesondere die sehr friedlichen Erdhummeln können dort ihre Nester anlegen.

Besonders zu erwähnen sind zudem die Beeren im Familiengarten. Gerade die Himbeeren sind während der Blüte immer voll mit Bienen besetzt. Auch die Brombeeren, Erdbeeren und Johannisbeeren sind gute Bienenweiden.



Gründünger wie Phacelia auf brachen Gemüsebeeten wird nicht nur von Hummel gerne angenommen.



Himbeerblüten sind gute Bienenweiden.

Wiesen und Rasen

Praktisch keinen Wert für die nützlichen Insekten haben regelmässig gemähte Rasen. Für die Bienen und Hummeln sind sie eine grüne Wüste. Rasenflächen die wenig betreten werden können ohne grossen Verlust an Lebensqualität zu einer Blumenwiese werden. Wildpflanzen wie Löwenzahn, Wiesenknöterich oder Inkarnatkliee gelten als sehr gute bis gute Bienenweiden. Eine Blumenwiese kann auch als kleine Insel im Rasen angelegt werden. Für Bienen und Hummeln ist es wichtig, dass nicht die ganze Wiese auf einmal gemäht wird. Durch etappenweises Mähen bleiben jeweils blühende Pflanzen stehen. Für Honigbienen stellt zudem das Abmähen der Wiesen während des Tages eine grosse Gefahr dar. Im Gegensatz zu den Hummeln weichen sie, konzentriert auf ihre Sammeltätigkeit, einer Mähmaschine nicht aus.

Hecken

Gute Bienenpflanzen bieten auch Hecken. Eine einheimische Strauchhecke mit Kor-

nelkirsche, Felsenbirne, Weide oder Faulbaum sind für Bienen ideal. Auch der nicht zurückgeschnittene Buchs ist für die Bienen als wertvoller Pollenlieferant bekannt.

Gartenfreunde können einen sehr wichtigen Beitrag für Bienen und Hummeln und damit für ein ganzes Ökosystem leisten. Werden viele Gärten bienenfreundlich gestaltet, entstehen grössere und gute Bienenweiden. Entscheidend ist die Summe.

Nisthilfen für Wildbienen...

Es braucht erstaunlich wenig, damit sich Wildbienen im Garten wohl fühlen. Nicht jede Wildbiene möchte jedoch die gleiche Nisthilfe haben, deswegen ist Vielfalt gefragt. Verschiedene Massnahmen lassen sich ohne grossen Aufwand direkt im Garten realisieren:

- Ein morsches Stück Holz, grosszügig bemessene Sandfugen zwischen Steinplatten, leere Schneckenhäuser oder

hohle Pflanzenstängel bieten Wildbienen ideale Nistmöglichkeiten.

- Bambusrohre, Stängel von Himbeeren oder Holunder, angebohrte Holzstücke oder Backsteine aus Ton lassen sich zum Beispiel zu einem Wildbienenhaus zusammenfügen. Wahre Kunstwerke können so entstehen. Wildbienen nehmen alles an, was hohl ist oder ein Mark besitzt.
- Nisthilfen so anlegen, dass sie trocken sind. Ein Dach ist von Vorteil, damit die Nistplätze geschützt sind. Zudem ist darauf zu achten, dass Nisthilfen nicht gerade am Boden zustehen können wegen der Bodenfeuchte. Zuviel Feuchtigkeit kann Schimmelbildung fördern, die Bienen gehen daran ein.
- Sind die Nisthilfen einmal platziert, sollten diese in Ruhe gelassen und nicht mehr gesäubert werden. Da die Bienen im nächsten Jahr schlüpfen.
- Auf schädliche Pflanzenschutzmittel verzichten.

...und für Hummeln

Wie die Honig- und Wildbienen tragen auch Hummeln flüssig dazu bei, dass fruchttragende Gartenpflanzen bestäubt werden. Hummeln suchen für ihre Vermehrung trockene oder halbtrockene Plätze auf. Der Hummel kann schon ein kleiner Haufen trockenes Gras in einer geschützten Gartenecke als Nest dienen. Um deren Überwintern

Wildpflanzen wie der Löwenzahn sind für Bienen ein idealer Landeplatz.





Diese Wildbiene freut sich an blühenden Alyssum.



Dieses sehr grosse Wildbienenhaus zeugt von Fantasie. Es ist aus unterschiedlichsten Materialien gefertigt.

Ein temporäres Aufstellen von Bienenkästen im Garten ist möglich.



zu erleichtern, werden zwei unterschiedlich grosse Tontöpfe mit trockenem Gras locker gefüllt, ineinander gesteckt und im Garten an einer geschützten Stelle vergraben. Das Wasserabzugsloch des Topfes muss dabei sichtbar und knapp über der Erde bleiben. Es dient den Hummeln als Einflugsloch. Hummeln sind sehr friedliebende Tiere. Wenn sie nicht bedrängt werden, machen sie von ihrem Stachel keinen Gebrauch.

Honigbienen im Garten halten

Das artgerechte Halten von Honigbienen setzt gewisse Fachkenntnisse voraus. Wer Bienen halten will sollte sich deshalb entsprechende Grundkenntnisse aneignen und Kontakt mit erfahrenen Imkern

aufnehmen. Ein temporäres Aufstellen von wenigen Bienenkästen im Familiengartenareal ist im Einverständnis mit dem Vorstand und den direkt betroffenen Gartennachbarn möglich. Der Bienenhalter ist haftbar und auch verpflichtet, alle nötigen baulichen Vorsichtsmassnahmen vorzunehmen und den notwendigen Abstand einzuhalten, damit Personen durch die Bienen nicht direkt gefährdet werden. In der Schweiz sind Honigbienen als Nutztiere anerkannt und unterstehen den Vorschriften der Tierseuchenverordnung (TSV). Die Bienenhaltung muss deshalb dem zuständigen, kantonalen Veterinäramt gemeldet werden. Weiter gilt es eine Bestandeskontrolle zu führen. Dort sind alle Zu-

und Abgänge einzutragen sowie die Standorte der Völker festzuhalten. Zudem haben die Vollzugsorganen der Tierseuchenpolizei (Bieneninspektoren) und der Lebensmittelgesetzgebung das Zutrittsrecht auf den Bienenstand und das Recht auf Einsicht in die Bestandeskontrolle.

Was tun, wenn die Biene sticht

Bienen stechen in der Regel nie von sich aus und ohne Grund. Dennoch kommen Bienenstiche immer wieder vor. Als erstes gilt es den Stachel mit dem Fingernagel aus der Einstichstelle herauszustossen. Dabei nicht den Pinzettengriff mit zwei Fingern verwenden, da sonst der Rest der Giftblase in die Wunde gedrückt wird. Danach die Einstichstelle mit kaltem Essigwasser (ein Teil Essig auf zwei Teile kaltes Wasser), Eiswürfeln oder Kältespray kühlen. Auch das Auflegen von frischen Zwiebelscheiben kann helfen. Treten grössere Schwellungen, stärkere Schmerzen oder in den Tagen danach rote Streifen unter der Haut auf, muss der Arzt aufgesucht werden. Bei Stichen im Mund- und Rachenraum Notruf veranlassen und kühlen. Bei allergischen Reaktionen ebenfalls Notruf veranlassen und falls vorhanden das eigenen Notfallset einsetzen.

Impressum

Herausgeber: Schweizer Familiengärtner-Verband
Text: Stefan Kammermann
Mitarbeit: Veterinärdienst Amt für Landwirtschaft und Natur des Kantons Bern
Bilder: zvg/Rudolf Ritter, Stefan Kammermann

Quellennachweis: Inforama Rütli, Zollikofen; Verband deutschweizerischer Gartenbauvereine, Koppigen; Verein deutschweizerischer und rätoromanischer Bienenfreunde.

Gestaltung: Druckerei W. Gassmann AG, Biel
Auflage: 26 100 Expl.
Druck: Druckerei W. Gassmann AG, Biel

Mai 2011, © Stefan Kammermann



Sonnenhut
Echinacea



Hagebutte



**Salweide
Kätzlibaum**



Silberweide



Silberweide



Silberweide



Küblerweide



Korbweide



Salweide



*Haselnuss links männliche Blüte
rechts weibliche Blüte*



roter Holunder



Eibe



Apfel



Wildbirne



Sonnenblume



Löwenzahn

Internet links

www.wildstauden.ch Patrizia Willi

www.wildpflanzen.ch Patrizia Willi

[www.hauenstein-rafz /Bienenweidepflanzen-Hauenstein Rafz](http://www.hauenstein-rafz/Bienenweidepflanzen-Hauenstein-Rafz)

www.bienenweide.ch

www.wildbee.ch

www.hausinfo.ch/de/home/garten/gestaltungstipps/bienenweide

www.summ-summ.ch

www.familiengaertner.ch

www.natuerliche-bienenhaltung.ch

www.bioterra.ch

www.bio-suisse.ch